



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (III)
PART II—Section 3—Sub-section (III)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 16, 1994/माघ 27, 1915
No. 16] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 16, 1994/MAGHA 27, 1915

भारत निर्वाचन आयोग
निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आवंटन) संशोधन
आदेश 1994

आदेश

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1994

आ.अ. 42(अ).—संविधान के अनुच्छेद 324 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा उसके साथ पठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 29क और निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 5 और 10 और इसे समर्थ बनाने वाले अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्वाचन आयोग निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आवंटन) आदेश 1968 में संशोधन करने हुए निम्नलिखित आदेश देता है :—

1. संक्षिप्त नाम.—(1) यह आदेश निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आवंटन) संशोधन आदेश, 1994 कहा जा सकेगा।

(2) यह भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभावी होगा।

2. नया पैरा 16क अन्तर्लिखित करना :—निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आवंटन) आदेश 1968 में, पैरा 16 के बाद निम्नलिखित पैरा अन्तर्लिखित किया जायेगा, अर्थात् :—

“16क. मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल द्वारा आचरण आदेश संहिता का अनुपालन न करने या आयोग के विधि मम्मत निदेशों और अनुदेशों का पालन न करने पर उसकी मान्यता स्थगित करने या वापस लेने की आयोग की शक्ति इस आदेश के होते हुए भी, यदि आयोग का अपने पास उपलब्ध-सूचना से समाधान हो जाता है कि इस आदेश के उपबन्धों के अजीब राजनैतिक दल चाहें वे राष्ट्रीय दल या राज्यीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त हों, यदि अपने आचरण से अफसल रहता है, या अस्वीकार करता है या प्रस्वीकार कर रहा या अवज्ञा दर्शा रहा है या अन्यथा :—

(क) आयोग द्वारा जनवरी, 1991 में और समय-समय पर जारी “राजनैतिक दलों और अभ्यर्थियों के मार्ग-निर्देश के लिये आदर्श आचरण संहिता” के उपबन्धों का अनुपालन या

(ख) समर-समर पर आयोग के विधिवत् निर्देशों और अनुदेशों का पालन और उनका कार्यान्वयन ताक निष्पक्ष स्वतन्त्र और शांतिपूर्ण निर्वाचनों को बढ़ावा मिल सके या सर्वसाधारण विशेष रूप से निर्वाचकों के हितों की रक्षा हो सके,

आयोग उपलब्ध तथ्यों और मामले की स्थिति को ध्यान में रखते हुए उनके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्रवाई के संबंध में दोनों को उपयुक्त अवसर देने के बाद आयोग जैसा उपयुक्त समझे, ऐसी शर्तों के प्रधीन ऐसे दोनों को राष्ट्रीय दल के रूप में या राज्तीय दल, जैसा भी मान्यता हो, की मान्यता स्थापित कर देगा या वापस ले लेगा।

[मि.सं. 56/संशोधन/94-न्या.अनु.-II]

आदेश से और निर्वाचन
आयोग के नाम से
के.पी.जी. कुट्टी, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

Election Symbols (Reservation and Allotment)
Amendment Order, 1994

ORDER

New Delhi, the 16th February, 1994

O.N. 42(E).—In exercise of the powers conferred by Article 324 of the Constitution read with Section 29A of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) and Rules 5 and 10 of the Conduct of Election Rules, 1961 and all other powers enabling it in this behalf, the Election Commission of India

hereby makes the following Order to further amend the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968 :—

1. Short Title.—(1) This Order may be called the Election Symbols (Reservation and Allotment) Amendment Order, 1994.

(2) It shall come into force on the date of its Publication in the Gazette of India.

2. Insertion of new Paragraph 16A.—In the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, after Paragraph 16, the following paragraph shall be inserted namely :—

“16A. Power of Commission to suspend or withdraw recognition of a recognised political party for its failure to observe Model Code of Conduct or follow lawful directions and instructions of the Commission.

Notwithstanding anything in this Order, if the Commission is satisfied on information in its possession that a political party, recognised either as a National Party or as a State Party under the provisions of this Order, has failed or has refused or is refusing or has shown or is showing defiance by its conduct or otherwise (a) to observe the provisions of the Model Code of Conduct for Guidance of Political Parties and Candidates as issued by the Commission in Jan. 1991 or as amended by it from time to time, or (b) follow or carry out the lawful directions and instructions of the Commission given from time to time with a view to furthering the conduct of free, fair and peaceful elections or safeguarding the interests of the general public and the electorate in particular, the Commission may, after taking into account all the available facts and circumstances of the case and after giving the party a reasonable opportunity of showing cause in relation to the action proposed to be taken against it, either suspend, subject to such terms as the Commission may deem appropriate, or withdraw the recognition of such party as the National Party or, as the case may be, the State Party”.

[F. No. 56/Amendment/94/J.S. II]

By order and in the name of the
Election Commission of India

K. P. G. KUTTY, Secy.